

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से मजदूर की मौत

डबवाली। डबवाली के मलोेट रोड स्थित रेलवे पुल के नीचे ट्रेन की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान सिकंदर के रूप में हुई है, जो बिहार का रहने वाला था। सिकंदर अपने भाई और अन्य साथियों के साथ डबवाली क्षेत्र के गांव मिठडी में धान की रोपाई का काम करने आया था। परिजनों के अनुसार, धान रोपाई का काम पूरा होने के बाद सिकंदर बीते शुक्रवार को बिहार लौटने की तैयारी में था।

प्रतिबंधित नशीली गोलियों सहित गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने मेडिकल नशा बेचने वालों पर कार्रवाई करते हुए ऐलनाबाद कस्बे के गांव पोहडक्रां क्षेत्र से एक व्यक्ति को प्रतिबंधित नशीली गोलियों सहित गिरफ्तार किया है। ऐलनाबाद थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान राजाराम के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गांव पोहडक्रां क्षेत्र में गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

आज मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

फतेहाबाद। रतिया रोड स्थित मॉडल टाउन के योग दिव्य मंदिर एवं योग अभ्यास केंद्र में रविवार, 2 अगस्त को गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। योग दिव्य मंदिर के सदस्य धर्मपाल चावला ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9.30 बजे गुरु पूजा से होगी। इसके बाद 10.30 बजे तिलक समारोह आयोजित किया जाएगा।

दानपात्र से चोरी के मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना रोड स्थित श्री गुरुनानक गोशाला परिसर में रखे बड़े दानपात्र को तोड़कर करीब एक लाख रुपये की नकदी चोरी करने के मामले में रतिया पुलिस ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रतिया की शिमलापुरी कॉलोनी निवासी सन्नी कुमार उर्फ सटक पुत्र राजकुमार के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी उप निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि श्री गुरुनानक गोशाला प्रबंधक समिति ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी।

रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसो. की बैठक 4 को

फतेहाबाद। ऑल रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक 4 अगस्त मंगलवार को प्रातः 9 बजे जाट धर्मशाला के पास स्थित पुराना रेस्ट हाउस, फतेहाबाद में होगी। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान मुंशीराम कम्बोज करेंगे। महासचिव सुभाष चन्द्र चौहान ने बताया कि बैठक में रिटायर्ड कर्मचारियों को 8वें वेतन आयोग का लाभ देने सहित विभिन्न मांगों पर चर्चा की जाएगी।

किसानों का सिरसा में 5 को होगा शक्ति प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ►सिरसा भारतीय किसान एकता के ब्लॉक प्रधान भरत सिंह गोदारा शनिवार को गांव रोहिड़ावाली पहुंचे और 5 अगस्त को किसानों में प्रस्तावित रोष प्रदर्शन में शामिल होने का न्यौता दिया। उन्होंने किसानों से कहा कि किसानों एवं मजदूरों की राष्ट्रीय और स्थानीय मांगों को लेकर भारतीय किसान एकता द्वारा 5 अगस्त को सिरसा में विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी किसान एवं मजदूर

सुबह 10.30 बजे जाट धर्मशाला, सिरसा में एकत्रित होकर उपायुक्त कार्यालय तक मार्च निकालेंगे और जिला प्रशासन के माध्यम से सरकार को मांगपत्र सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन में एफटीए रद्द करने, एमएसपी खरीद गारंटी कानून लागू करने, किसानों-मजदूरों की संपूर्ण कर्ज मुक्ति, बिजली संशोधन विधेयक एवं सीड्स बिल वापस लेने सहित विभिन्न राष्ट्रीय मांगों उठाई जाएंगी। वहीं स्थानीय मांगों में पर्याप्त नहरी पानी, निर्बाध बिजली, खाद की उपलब्धता, यूरिया घोटाले के मास्टरमाइंड पर कार्रवाई, लंबित फसल मुआवजा एवं बीमा क्लेम जारी करने सहित किसानों से जुड़े अन्य मुद्दे प्रमुख रहेंगे।

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने की छापेमारी घर में चल रहा था हेरोइन का कारोबार, 16 आरोपी गिरफ्तार

हेरोइन के अलावा 25 लाइटर और फॉयल पन्नियां बरामद, सामूहिक रूप से पैसे इकट्ठे कर नाबालिग से खरीदते थे नशा

हरिभूमि न्यूज ►फतेहाबाद

एसपी निकिता खट्टर के दिशा-निर्देशन में नशा तस्करों और नशेडिओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने शहर के गुरुनानकपुरा मोहल्ला स्थित एक मकान पर गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर घर में चलाए जा रहे हेरोइन के अवैध सेवन व खरीद-बिक्री के ठिकाने



फतेहाबाद। हेरोइन का सेवन करते पकड़े गए लोग।

फोटो : हरिभूमि

कम उम्र में नशे के धंधे में उतरा नाबालिग

थाना शहर फतेहाबाद के प्रमारी निरीक्षक सुरेंद्र ने बताया कि गुरुनानकपुरा पुलिस चौकी टीम को पक्की गुप्त सूचना मिली थी कि मोहल्ले के एक मकान के ऊपरी कमरे में एक नाबालिग आसपास के युवकों को बुलाकर हेरोइन उपलब्ध करवाता है और सामूहिक रूप से नशा करवाता है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत रेडिंग पार्टी का गठन किया और संबंधित मकान की घेराबंदी कर अचानक दबिश दी। रेड के दौरान कमरे में 15 युवक, एक महिला और एक नाबालिग रगे हाथों हेरोइन का सेवन करते मिले।

का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से एक महिला और 15 युवकों समेत कुल

16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि नशा बेचने में लिप्त पाए गए एक नाबालिग को नियमानुसार

फतेहाबाद से हरिद्वार के लिए स्पेशल रोडवेज बस शुरू

हरिभूमि न्यूज ►फतेहाबाद

फतेहाबाद रोडवेज प्रशासन की ओर से सावन महीने में हरिद्वार के लिए स्पेशल बस चलाई गई है। यह सेवा शनिवार से शुरू हो गई है। प्रतिदिन यह बस सबसे पहले बस शाम 5 बजे फतेहाबाद से पहले सिरसा जाएगी। इसके बाद शाम 6 बजे वापस फतेहाबाद आएगी। फिर यहां से सीधे हरिद्वार के लिए रवाना होगी। इससे शिवभक्तों को बड़ी राहत मिलेगी। बता दें कि, इससे पहले पूरे दिन में फतेहाबाद से सीधी हरिद्वार के

लिए एक ही रोडवेज बस चल रही है, मगर अब एक और बस चलने से हरिद्वार जाने वाले यात्रियों को बड़ा लाभ मिलेगा। यह बस हिसार, हांसी, जौद, पानीपत के रास्ते होते हुए हरिद्वार पहुंचेगी। फतेहाबाद डिपो के ट्रैफिक इंचार्ज शिवदयाल नापा ने बताया कि फतेहाबाद से हरिद्वार तक का एक तरफ का किराया प्रति सवारी 530 रुपए होगा। सावन महीने में हरिद्वार जाने वाले लोगों की संख्या ज्यादा होती है, इसलिए उनकी सुविधा को देखते हुए रोडवेज प्रशासन ने स्पेशल परमिट लिया है। यह बस पूरे सावन महीने रोजाना फतेहाबाद से हरिद्वार के लिए चलेगी।

पानी की किल्लत से त्रस्त ग्रामीणों ने जलघर में शुरू किया अनिश्चितकालीन धरना



सिरसा। गांव गदराना में जलघर के मुख्य गेट पर धरना देते ग्रामीण।

हरिभूमि न्यूज ►सिरसा

जिला के गांव गदराना में पेयजल किल्लत को लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने जलघर के मुख्य गेट पर धरना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने विभाग के खिलाफ नारेबाजी की और नियमित पेयजल आपूर्ति की मांग की। धरने पर बैठे बुजुर्ग भूषेंद्र

सिंह गदराना सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पेयजल आपूर्ति लंबे समय से ठप पड़ी है। गर्मी में लोगों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। महिलाओं और बच्चों को कई किलोमीटर दूर से पानी सिर पर ढोना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर

विभाग के अधिकारियों को कई बार लिखित शिकायत दी गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला, समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि जब तक गांव में नियमित और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति बहाल नहीं की जाती, तब तक उनका धरना जारी रहेगा।

जागरूकता विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने एक स्वर में लिया संकल्प, ‘फुलां को बचाना है, नशे को दूर भगाना है’

गांव फुलां में नशा उन्मूलन के लिए 17 सदस्यीय कमेटी का गठन, नशामुक्ति सेना ने युवाओं को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ►फतेहाबाद

नशा बेचने वाले लोग समाज के असली दुश्मन हैं। ऐसे तत्वों की पहचान कर उन्हें पुलिस प्रशासन के सहयोग से सलाखों के पीछे भेजने का काम किया जाएगा। नशा न केवल एक व्यक्ति को बर्बाद करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को जड़ों को खोखला कर देता है। युवा शक्ति अगर एकजुट हो जाए तो नशा जैसी सामाजिक बुराई का समूल नाश संभव है। यह बात सामाजिक संस्था नशामुक्ति सेना



फतेहाबाद। गांव फुलां में नशे के खिलाफ विद्यार्थियों को संकल्प दिलाते नशामुक्ति सेना के संस्थापक भवानी सिंह।

फोटो : हरिभूमि

के संस्थापक भवानी सिंह ने गांव फुलां के सरकारी स्कूल में

आयोजित नशामुक्ति सेमिनार को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री

मॉडल टाउन के पांच पार्क उपेक्षा के शिकार सीवरेज और पेयजल समस्या भी बरकरार

हरिभूमि न्यूज ►रतिया

रेंजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने विधायक जरनैल सिंह को सौंपे दो मांग पत्र, शीघ्र समाधान का मिला आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ►रतिया

मॉडल टाउन रेंजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष सतपाल मंगला के नेतृत्व में रतिया के विधायक जरनैल सिंह से उनके निवास पर मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर दो अलग-अलग मांग पत्र सौंपे। प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा में मॉडल टाउन के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर विधायक का आभार भी व्यक्त किया। एसोसिएशन द्वारा सौंपे गए पहले मांग पत्र में मॉडल टाउन के पांचों पार्कों की बदहाल स्थिति और मूलभूत सुविधाओं के अभाव का मुद्दा उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि प्रतिदिन सैकड़ों नागरिक, बच्चे और बुजुर्ग इन पार्कों में सैर और मनोरंजन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन लंबे समय से रखरखाव नहीं होने के कारण पार्कों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। उन्होंने

वादे के बाद भी नहीं बदले हालात, अब फिर उठी आवाज

दूसरे मांग पत्र में मॉडल टाउन की लंबे समय से चली आ रही सीवरेज और पेयजल समस्या के स्थायी समाधान की मांग उठाई गई। एसोसिएशन ने बताया कि विधायक के प्रयासों से पूर्व में जिला प्रशासन ने स्थायी समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसके चलते क्षेत्रवासी आज भी सीवरेज जाम, गंदे पानी की निकासी और पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। मांग पत्र के साथ 2 जनवरी 2025 को उपयुक्त फतेहाबाद की अध्यक्षता में आयोजित सम्मन्वय बैठक की कार्यवाही की प्रति भी संलग्न की गई, जबकि इसकी प्रतिलिपि उपयुक्त फतेहाबाद की भी भेजी गई है। एसोसिएशन ने विधायक से दोनों जनहित के मुद्दों पर संबंधित

बताया कि पार्क नंबर-1 आनंद पार्क तथा पार्क नंबर-4 अग्रसेन पार्क के मुख्य द्वार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसके अलावा पार्कों में लगे झूले टूट चुके हैं, बेंचें जर्जर अवस्था में हैं, सिंचाई के लिए पाइपलाइन की व्यवस्था नहीं है, जिससे हरियाली सूख रही है। फुटपाथ उखड़े हुए हैं, चारदीवारी की ऊंचाई कम होने के साथ उसका प्लास्टर भी जगह-जगह से झड़ चुका है। डस्टबिन की व्यवस्था न

होने से गंदगी फैली रहती है, जबकि वर्षों से रंग-रोगन नहीं होने के कारण पार्कों की सुंदरता भी प्रभावित हुई है। अधिकांश स्ट्रीट लाइटें खराब होने से शाम के समय अंधेरा छा जाता है, जिससे लोगों में असुरक्षा की भावना बनी रहती है। एसोसिएशन ने कहा कि इन कमियों के कारण पार्कों की स्वच्छता, सुंदरता और सुरक्षा तीनों प्रभावित हो रही हैं तथा महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को विशेष रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकारी स्कूल में निकला सांप का बच्चा

टोहाना। सरकारी स्कूल परिसर में सांप का बच्चा निकलने से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही डीसी द्वारा गठित एसपीसीएफ फतेहाबाद के सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता नवजोत सिंह हिल्लों मौके पर पहुंचे और सुरक्षित रेस्क्यू कर सांप के बच्चे को उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया। रेस्क्यू के बाद आधी छुट्टी के दौरान नवजोत सिंह हिल्लों ने विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संतुलन तथा साँपों के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी वन्यजीव को देखकर घबराने या उसे नुकसान पहुंचाने की बजाय संबंधित विभाग या अधिकृत रेस्क्यू टीम को सूचना दें।

सिरसा से अमृतसर और हजूर साहिब तक सीधी कनेक्टिविटी की उटी मांग



सिरसा। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए।

और ट्रेन सेवा उपलब्ध न होने के कारण श्रद्धालुओं, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को कई बार वाहन बदलने पड़ते हैं, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। गुरमेज सिंह ने मुख्यमंत्री से मांग की कि श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं

और जनहित को ध्यान में रखते हुए सिरसा से श्री अमृतसर साहिब तक हरियाणा रोडवेज की सीधी बस सेवा शीघ्र बहाल की जाए तथा सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने के लिए केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय के समक्ष प्रभावी पहल की जाए।

हजारों श्रद्धालुओं को मिलेगा लाभ

गुरमेज सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस महत्वपूर्ण मांग पर सकारात्मक निर्णय लेंगे, जिससे हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों के हजारों श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झिंडा, प्रकाश सिंह साहुवाला, बिंदर सिंह खलसा, कुलदीप सिंह जोगेवाला, हरमनाप्रीत सिंह तथा सुखजिंद सिंह मसाणा भी मौजूद रहे।

कमेटी संभालेगी कमान

कार्यक्रम के दौरान भवानी सिंह ने गांव फुलां में नशे के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ने के लिए 17 सदस्यीय कमेटी की घोषणा की। 'एक संकल्प-नशे के खिलाफ अभियान के तहत फुलां गांव में गठित इस कमेटी में सुरेंद्र कुमार,

विद्यार्थियों का पहला कर्तव्य खुद को नशे से दूर रखना और दूसरों को भी इसके प्रति सचेत करना है। सेमिनार के अंत में उपस्थित विद्यार्थियों व ग्रामीणों ने एक हाथ आगे बढ़ाकर संकल्प लिया 'फुलां

को बचाना है, नशे को दूर भगाना है।' इस अवसर पर फुलां के सरपंच सुनील कुमार, अलीपुर बस्कूल के सरपंच मुकेश कुमार, स्कूल प्रिंसिपल शरणजीत कौर, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

प्रबंधन समिति के प्रधान बने मजनलाल

भूना। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांडली कलां में शनिवार को स्कूल प्रबंधन समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के रिक्त पदों पर सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों और सदस्यों का चयन किया गया। सर्वसम्मति से भजनलाल दलाल को समिति का नया प्रधान चुना गया। बैठक के दौरान उमदे गोस्वामी चंद्रावल, सुमन पत्नी परवीन कुमार बांगड़, कुलदीप पुत्र ओमप्रकाश कोहाड़, देवीलाल पुत्र चतर सिंह जांगलान तथा रोहताश पुत्र तेलुराम जांगड़ा को समिति का सदस्य बनाया गया।

चिंता छोड़कर चिंतन अपनाएं : साध्वी सीयल

सिरसा। एसएस जैनसभा में शनिवार को महासाध्वी सुधा महाराज का अवतरण दिवस बड़ी सादगी से मनाया गया। गुरुणी महाराज के नाम का जुमार किया गया व राजकीय कन्या विधालय में बच्चों को स्टेशनरी वितरित की गई। साध्वी सीयल महाराज ने भगवान महावीर स्वामी की वाणी को सुनाते हुए कहा कि यह आत्मा ही कर्ता है आत्मा ही भोगता है। मानव स्वयं का- ही मित्र है स्वयं का ही दुश्मन है। व्यक्ति को संसार की कोई वस्तु दुखी नहीं कर सकती,ना सुखी कर सकती हैं ना फिर क्यों थोड़ी सी परेशानी से परेशान हो जाते है।

इंस्टाग्राम पर सस्ती ड्रेस का लालच देकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

राजस्थान से 3 आरोपी गिरफ्तार, तीन मोबाइल बरामद

हरिभूमि न्यूज►►हिंसार

साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर क्राइम थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सस्ती ड्रेस, आकर्षक पिक्ट और कैशबैक का लालच देकर हजारों रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपियों को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए गए तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

सस्ते विज्ञापन और कैशबैक के झांसे में फंसा पीड़ित साइबर थाना प्रभारी कपिल ने बताया कि ऋषि नगर निवासी कमल को शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पीड़ित ने इंस्टाग्राम पर सस्ती ड्रेस का एक विज्ञापन देखा और उसमें दिए गए व्हाट्सएप नंबर पर संपर्क किया। ठगों ने बेहद शान्तिराना तरीके से पीड़ित का विश्वास जीतने के लिए शुरुआती दौर में 9,090 रुपये वापस भी भेज दिए। इसके बाद आकर्षक उपहार और भारी कैशबैक का झांसा देकर अलग-अलग यूपीआई



आईडी में कुल 41,940 रुपये ट्रांसफर करवा लिए और अंततः पीड़ित से 32,850 रुपये की साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दिया। बैंक खातों की ट्रेल से राजस्थान तक पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रहे एसएसआई राजा राम ने बैंक खातों, यूपीआई ट्रांजेक्शन और मोबाइल नंबरों के तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। जांच में सामने आया कि ठगी की राशि इक्विटास बैंक समेत अन्य खातों में ट्रांसफर की गई थी। तकनीकी सुराग मिलते ही साइबर थाना पुलिस की टीम ने राजस्थान के बूंदी और कोटा में दबिश दी।

धान खरीद सीजन की तैयारियों को लेकर मार्केट कमेटी चेयरमैन ने ली बैठक

फतेहाबाद। आगामी धान खरीद सीजन को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से मार्केट कमेटी ररिया के चेयरमैन राजकुमार मेहता ने हरियाणा राज्य कृषि विभाग बोर्ड फतेहाबाद के कार्यकारी अमियंता आनंद कुमार से मुलाकात कर मंडी की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में मार्केट कमेटी के सचिव, एसडीओ तथा जेई भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान चेयरमैन राज कुमार मेहता ने मंडी परिसर के सभी प्रवेश द्वारों, आंतरिक सड़कों की मरम्मत, शौचालयों की साफ-सफाई एवं आवश्यक मरम्मत, किसान रेंट हाउस में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था तथा अन्य जरूरी कार्य जमय रहते पूरे करने पर जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने धान खरीद सीजन के दौरान किसानों एवं मंडी में कार्यरत आदर्यों, मजदूरों और अन्य लोगों के लिए स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सभी वाटर कूलर एवं पेयजल ज्वाइंट सुचारु रूप से संचालित रखने के निर्देश दिए। राज कुमार मेहता ने कहा कि धान खरीद सीजन के दौरान मंडी में बड़ी संख्या में किसान अपनी फसल लेकर पहुंचते हैं। ऐसे में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि खरीद सीजन के दौरान मंडी में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस अवसर पर कार्यकारी अमियंता आनंद कुमार ने चेयरमैन को आश्वासन दिया कि मंडी में आवश्यक मरम्मत एवं अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे कर दिए जाएंगे, जिससे धान खरीद सीजन बिना किसी परेशानी के सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

एसआई से पदोन्नत होकर इंस्पेक्टर बने फूल सिंह, एसपी ने लगाए स्टार

हरिभूमि न्यूज►►फतेहाबाद

पुलिस विभाग में पदोन्नति अधिकारियों व कर्मचारियों की मेहनत, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण का सम्मान होती है। इसी कड़ी में एसआई पद से पदोन्नत होकर इंस्पेक्टर बने फूल सिंह को जिला पुलिस कप्तान निकिता खट्टर ने अपने कार्यालय में कंधे पर स्टार लगाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एसपी निकिता खट्टर ने कहा कि पदोन्नति किसी भी अधिकारी के जीवन में गर्व और सम्मान का क्षण होता है, लेकिन इसके साथ ही पद की जवाबदेही और जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं।

उन्होंने पदोन्नत हुए निरीक्षक फूल सिंह को प्रेरित करते हुए कहा, अधिकारी अपनी कार्यशैली, निष्पक्ष व्यवहार और कर्तव्यनिष्ठा से जनता के बीच पुलिस की सकारात्मक छवि को और मजबूत कर सकते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि इंस्पेक्टर फूल सिंह भविष्य में भी पूरी लगन, अनुशासन और सेवाभाव से विभाग को अपनी सेवाएं देंगे। अपनी पदोन्नति पर खुशी व्यक्त करते हुए नव-पदोन्नत इंस्पैक्टर फूल सिंह ने पुलिस अधीक्षक का



फतेहाबाद। पदोन्नत होकर इंस्पेक्टर बने फूल सिंह को स्टार लगाकर शुभकामनाएं देते एसपी निकिता खट्टर।

आभार जताया। उन्होंने आश्चस्त किया कि विभाग द्वारा उम्मीदों से जूझते हुए एसआई सौंपी गई है, वे उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्य भावना के साथ करेंगे और पुलिस विभाग की गरिमा को सदैव बनाए रखेंगे। इस खुशी के मौके पर थाना सदर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक साधुराम सहित जिला पुलिस कार्यालय के अन्य अधिकारी व कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी सहयोगियों ने इंस्पेक्टर फूल सिंह को स्टार लगने पर बधाई दी और उनके सुखद व सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

राज्यसभा सांसद ने नागरिकों से पौधे लगाने का किया आह्वान ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान को बनाएं जन आंदोलन : बराला

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेशभर में 77वां वन महोत्सव मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ►►फतेहाबाद

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वृक्षारोपण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प ले तथा प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला शनिवार को अपने पैतृक गांव डांगरा स्थित कृष्णनिटी सेंटर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों के



फतेहाबाद। डांगरा में पौधरोपण करते सांसद सुभाष बराला।

फोटो: हरिभूमि

साथ मिलकर पौधरोपण किया तथा गांव में चलाए जा रहे हरित अभियान की सराहना की। राज्यसभा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान व्यापक रूप से चलाया जा रहा है। यह अभियान केवल वृक्ष लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि मातृत्व, प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष प्रयास किए जा रहे हैं तथा हाल ही में प्रदेशभर में 77वां वन महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया

गया है। सुभाष बराला ने कहा कि बदलते पर्यावरणीय हालात और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं वर्षा की कमी देखने को मिल रही है। वायु प्रदूषण और घटते हरित क्षेत्र भी चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय असंतुलन को दूर करने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। जब तक बड़े स्तर पर पौधे नहीं लगाए जाएंगे और उनका संरक्षण नहीं किया जाएगा, तब तक स्वच्छ वातावरण और पर्याप्त ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करना कठिन होगा। उन्होंने कहा कि यदि

पौधे लगाने के साथ ही करें देखभाल: नारंग

सिरसा। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से लायंस क्लब सिरसा एक्टिव की ओर से एफ ब्लॉक स्थित प्राइमरी स्कूल में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सभी ने पौधरोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की पेड़ बनने तक देखभाल करने का भी संकल्प लिया। चार्टर्ड प्रेजेंटेंट चरित्र नारंग ने कहा कि पौधरोपण अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी जरूरी है। क्लब का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हरा-भरा वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि लगाए गए सभी पौधों को वृक्ष बनाने के लिए क्लब संकल्पित है। प्रोजेक्ट चेयरमैन राम गर्ग ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और बदलते पर्यावरणीय हालात के बीच अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण हजारों लोगों ने दम तोड़ दिया। भविष्य में इस प्रकार की परिस्थितियां पैदा न हों, इसके लिए अभी से सामूहिक प्रयास करने होंगे, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां स्वच्छ वातावरण में सांस ले सकें। इस मौके पर प्रधान विपिन मक्कड़, खजांची मुकेश टूटेजा, पवन गुप्ता, राजेश नरुला, सुरेंद्र गाबा, नरेश गुप्ता, अशुभन वर्मा, अमित सिंगला सहित स्कूल स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

प्रत्येक नागरिक अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन संभव है। वृक्षारोपण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का अभियान है, जिसमें समाज के हर वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। इस

अवसर पर गांव की सरपंच उर्मिला मूंड़, कुलदीप मूंड़, नगर परिषद चेयरमैन नरेश बंसल, नगर मंडल अध्यक्ष रमन मंडिया, पूर्व ब्लॉक समिति चेयरमैन सुरजीत सिंह, बरलारा नंबरदार, कुलवंत जांगड़ा, बलवीर जांगड़ा, रोहताश मूंड़, जयवीर मूंड़, सुभाष मूंड़, जयसिंह भंडिया सहित गणायक नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।



राजकीय महाविद्यालय में पौधरोपण, प्रोफेसरों और स्टाफ ने ली पौध-संरक्षण की शपथ

फतेहाबाद। पर्यावरण संवर्धन एवं प्रकृति-संरक्षण के पवन उद्देश्य के साथ राजकीय महाविद्यालय, फतेहाबाद में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एक विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के समस्त प्रोफेसरों, प्राध्यापकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक पौधे लगाए और उनके निरंतर पोषण व देखभाल का संकल्प लिया। डाइरेक्ट्र मलाना के राजकीय महाविद्यालय में कार्यक्रम की शुरुआत में महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. रविन्द्र मुखर्जी ने आए अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान की सुरुआत करते हुए कहा कि माँ और प्रकृति दोनों ही हमारे जीवन का आधार हैं। माँ के नाम पर रोपा गया एक पौधा पर्यावरण को शुद्ध बनाने के साथ-साथ मातृशक्ति के प्रति हमारी कृतज्ञता का भी प्रतीक है।



नागरिक अस्पताल में रोपे गए फलदार पौधे

फतेहाबाद। नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में पर्यावरण संरक्षण एवं अस्पताल परिसर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से पिछले एक पखवाड़े से ‘एक पेड़ माँ के नाम पौधरोपण अभियान सफलता पूर्वक चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को अस्पताल प्रांगण में विशेष रूप से विभिन्न प्रजातियों के फलदार पौधे लगाए गए। इस पौधरोपण कार्यक्रम में अस्पताल के कर्मचारी विपिन शर्मा, रोहित जाखड़, पूर्व कर्मचारी मन्जो, सुरप्रवाहजर सत्या बिखला, सुरप्रवाहजर गोपाल बंसल, माली हास सिंह, माली रोहताश, हनुमान तथा अन्य स्टाफ सदस्यों ने मिलकर पौधरोपण किया और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल व सुरक्षा का संकल्प लिया।

गरीब रेहड़ी चालकों को उजाड़ना अन्याय, पहले दिया जाए वैकल्पिक स्थान : प्रजापति

हरिभूमि न्यूज►►फतेहाबाद

शहर में ट्रैफिक पुलिस और नगर परिषद प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान के नाम पर गरीब रेहड़ी चालकों को बिना कोई वैकल्पिक स्थान दिए हटाए जाने की युवा कांग्रेस नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश प्रजापति ने कई शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पेट पालने वाले इन गरीब दुकानदारों को अनायास उजाड़ना सरासर अन्याय है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को ट्रैफिक पुलिस और नगर परिषद की संयुक्त टीम ने शहर में विशेष अभियान चलाते हुए थाना रोड व हंस मार्केट से सभी रेहड़ीयों को हटवा दिया था। प्रशासन की इस कार्रवाई का स्थानीय रेहड़ी चालकों ने जमकर विरोध किया था और अपनी आजीविका का संकट खड़ा होने की बात कही थी। युवा कांग्रेस नेता मुकेश प्रजापति ने मामले पर रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था



इस कार्रवाई का स्थानीय रेहड़ी चालकों ने विरोध किया था और अपनी आजीविका का संकट खड़ा होने की बात कही थी मुकेश प्रजापति

को दुरुस्त करने के लिए अतिक्रमण हटाना सही कदम है, लेकिन इन गरीब रेहड़ी चालकों पर कार्रवाई करने से पहले प्रशासन को इनके लिए किसी उपयुक्त स्थान की व्यवस्था करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि रेहड़ी चालक लंबे समय से प्रशासन से एक निश्चित स्थान आवंटित करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही। मुकेश प्रजापति ने इस जनसमस्या को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा कि यह रेहड़ी-फड़ी वाले दिन-रात कड़ी मेहनत करके अपने परिवार की रोजी-रोटी चलाते हैं और यह हमारे समाज का ही एक अहम हिस्सा हैं।

क्षमा और संस्कार ही सशक्त नेतृत्व की पहचान : प्रवीन जोड़ा

हरिभूमि न्यूज►►फतेहाबाद

सच्चा और सशक्त नेतृत्व प्रतिशोध की राजनीति में नहीं, बल्कि क्षमा, धैर्य और पूरे समाज को साथ लेकर चलने की भावना में विश्वास रखता है। युवावस्था में कई बार भावनाओं में बहकर गलतियां हो जाती हैं, लेकिन उन्हें दंडित करने के बजाय सही राह दिखाना ही एक परिपक्व समाज और राष्ट्र का दायित्व है। यह बात भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने जारी एक बयान में कही। वे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान अपने और अपनी दिवंगत माता के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा क्षमा किए जाने और उन्हें सही मार्गदर्शन देने की अपील पर इस रुख की प्रतिक्रिया दे रहे थे। प्रवीन जोड़ा ने प्रधानमंत्री के इस रुख को भारतीय संस्कृति, लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। प्रवीन जोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया ‘जीभ और दांत’ का उदाहरण भारतीय जीवन मूल्यों और सामाजिक सौहार्द का एक सशक्त संदेश देता है। उन्होंने कहा, जिस प्रकार प्रधानमंत्री ने अपने खिलाफ और अपनी दिवंगत माता के बारे में की गई अपातिजनक टिप्पणियों के बावजूद युवाओं को माफ करने की बात कही, वह उनके विशाल



प्रवीन जोड़ा

- जंतर-मंतर प्रदर्शन में अभद्र टिप्पणी करने वाले युवाओं को माफ करने के पीएम के रुख की सराहना की
- युवाओं को दंड नहीं, सही दिशा और संस्कार देने की जरूरत

हृदय और सकारात्मक सोच को दर्शाता है। उनका यह संदेश केवल उन युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सदैव युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्य ऊर्जा मानती है। यदि कोई युवा भ्रमित होकर गलत रास्ते पर निकल जाता है, तो उसे दण्डित करने के बजाय सही मार्ग पर लाने का प्रयास किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दृष्टिकोण लोकतंत्र की गरिमा और भारतीय संस्कृति के मूल मूल्य भी क्षमा और संस्कार को और अधिक मजबूत करता है। प्रवीन जोड़ा ने समाज के सभी वर्गों से प्रधानमंत्री की इस अपील का समर्थन करने का आग्रह किया।

मोटरसाइकिल चोरी का मात्र एक घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज►►हिंसार

पीएलए पुलिस चौकी की टीम ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले का फुटेज का गहन विश्लेषण किया गया। तकनीकी साक्ष्यों एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र एक घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पीएलए चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अनूप ने बताया कि इस संबंध में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी शुभम ने शिकायत दी थी जिससे पुलिस ने मोटरसाइकिल टाउन पार्क क्षेत्र से चोरी हो गई है।

शिकायत पर तुरंत मामला दर्ज कर पुलिस टीम ने जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज का गहन विश्लेषण किया गया। तकनीकी साक्ष्यों एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र एक घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया तथा उनके कब्जे से चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद कर ली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पटेल नगर निवासी अजय उर्फ वासु व संदीप उर्फ ज्ञानी के रूप में हुई है।

गांवों में जनसभा और सम्मान दिवस रैली का निमंत्रण देने पहुंचीं इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी नूंह में होगी ऐतिहासिक सम्मान दिवस रैली : सुनैना

- इनेलो महिला नेत्री ने फतेहाबाद के दर्जनभर गांवों का किया तूफानी दौरा; 10 अगस्त की जनसभा का दिया निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज►►फतेहाबाद

भाजपा शासनकाल में हर नेता सिर्फ विधायक या सांसद बनना चाहता है, जननेता नहीं बनना चाहता। जननेता बनने के लिए त्याग करना पड़ता है, जो केवल इनेलो की सोच में है। जननायक चौधरी देवीलाल ने पद त्यागने में एक मिनट नहीं लगाया और अभय सिंह चौटाला ने भी किसानों के हक में विधायक का पद छोड़ दिया था। हरियाणा में आज भी इनेलो ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसके लिए



फतेहाबाद। ग्रामीणों को संबोधित करते इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला।

कुर्सी नहीं बल्कि जनता सर्वोपरि है। यह बात इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला ने फतेहाबाद हलके के विभिन्न गांवों के तूफानी दौरे के दौरान कहा। सुनैना चौटाला 10 अगस्त को फतेहाबाद के सेतिया पैलेस में होने वाली पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला की जनसभा और 27

सितंबर को नूंह (मेवात) में आयोजित होने वाली राज्यस्तरीय सम्मान दिवस रैली का निमंत्रण देने के लिए सुनैना चौटाला ने गांव मोचीवाली, चौबारा, गोरखपुर, दहमान, भूना, खासा पठाना, ढाणी गोपाल, बैजलपुर और नरुला में ग्रामीण सभाओं को संबोधित किया।

भाजपा राज में हक मांगने वालों को मिलती है लाठियां

सुनैना चौटाला ने कहा कि भाजपा राज में हक मांगने वालों पर लाठियां बरसाई जाती हैं। किसानों, कर्मचारियों, डॉक्टरों, आंगनबाड़ी और आशा वर्कर्स के बाद अब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को बेदखल से पीटा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक भाजपा की साजिश है और छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस की वृद्धि में आरएसएस के लोगों द्वारा युवाओं पर अत्याचार किए गए। बुजुर्गों के सम्मान का जिक्र करते हुए सुनैना चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार की नजर बुजुर्गों की पेंशन पर है। वे नहीं चाहते कि बुजुर्गों को सम्मान मिले। यह सम्मान चौधरी देवीलाल ने शुरू किया था और यदि भाजपा ने इसमें कोई कटौती की साजिश रची तो इनेलो इसका मुहताब जवाब देगी। संकटन की मजबूती पर बल देते हुए सुनैना चौटाला ने कहा, जननायक चौधरी देवीलाल ने पूरे हरियाणा को एक मजबूत माला में पिरोया था, लेकिन समय के साथ इसके कार्यकर्ता रूपी मोती खिखर गए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे स्वयं को अमर चौटाला मानकर नाराज साथियों से मिलें और उन्हें पुनः पार्टी में शामिल करवाएं। गाम्भीर्य और कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अग्रदूत दिगसरा, गाम्भीर्य सोनी, रामस्वरूप दुग्गल, डॉ. नरेंद्र सिंह जाखड़, अजय मांडू, सुशीला पिलाविया, नरेश गुप्ता, मनजीत हड़ौली, अमित दाबी कला, बिल्वू दाबी कला, राज मेहतावा, सुनील कम्बोज, विजय मेहतावा, उमराव सिंह सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ख़बर संक्षेप

होटल कर्मचारी पर

हमला करने वाले काबू

फतेहाबाद। नेशनल हाईवे-9 पर स्थित एक होटल में सो रहे कर्मचारी पर लोहे की पाइप से ताबड़तोड़ हमला कर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुभाष उर्फ कालिया पुत्र घडूसीराम तथा विजय सिंह पुत्र रामकरण निवासी गांव खारा खेड़ी के रूप में हुई है। थाना सदर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद राय ने बताया कि हिसार जिले के गांव लाडवा निवासी वजीर पुत्र मंगलराम ने शिकायत दर्ज कराई थी।

दूध विक्रेता से लूटपाट का

दूसरा आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। भाखड़ा नहर की पटरी पर दूध विक्रेता से मारपीट कर नकदी और सामान लूटने की वारदात में शामिल दूसरे आरोपी को टोहाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान पंजाब के जिला संग्रसर के लेहलकलां निवासी गगनदीप सिंह पुत्र बिंदर सिंह के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी निरीक्षक साधुधाम ने बताया कि गांव बलियावाला निवासी शिकायतकर्ता सूरजमल पुत्र वेद सिंह गांवों से दूध एकत्रित कर टोहाना शहर में बेचने का काम करता है।

तीन मामलों में वांछित

आरोपी दबोचा

सिरसा। सीआईए एलनाबाद पुलिस ने तीन मामलों में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सीआईए एलनाबाद पुलिस टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी सहायता के आधार पर कार्रवाई करते हुए एलनाबाद शहर क्षेत्र से वांछित आरोपी अशोक कुमा को काबू किया। आरोपी काफी समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था और उसके खिलाफ चोरी एवं मादक पदार्थ अधिनियम से संबंधित तीन मामले दर्ज हैं।

तीन नए व्यावसायिक

पाठ्यक्रम शुरू

सिरसा। नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन सिरसा ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। रोजगारोन्मुख एवं कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाविद्यालय में तीन नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। सिरसा एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष अरविंद बंसल ने बताया कि वर्तमान समय में कौशल आधारित शिक्षा की आवश्यकता को देखते हुए महाविद्यालय में इन पाठ्यक्रमों की शुरुआत की गई है।

परमात्मा आत्मज्ञान

का दाता: भूपसिंह

सिरसा। आर्य समाज मंदिर में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस मौके पर सभा के कार्यकारी प्रधान भूपसिंह गहलोत ने इस अवसर पर यशुवेद के मंत्र 25/13 की व्याख्या करते हुए कहा कि जो परमात्मा आत्मज्ञान का दाता, शरीर, आत्मा और समाज को बल देने वाला, जिसकी सब विद्वान लोग उपাসना करते हैं और जिसकी शिक्षा को मानते हैं, जिसका आश्रय ही मोक्ष सुखदायक है, जिसका न मानना अर्थात भक्ति न करना ही मृत्यु आदि दुःख का कारण है, हम लोग उस सुख स्वरूप सकल ज्ञान के देनेहारे परमात्मा की प्राप्ति के लिए आत्मा और अंतःकरण से भक्ति किया करें।

अध्यापक-अभिभावकों में हुआ संवाद

सिरसा। डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल सिरसा में शनिवार को एलकेजी से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए यूनिट टेस्ट-1 के परिणामों पर चर्चा करने हेतु अभिभावक-शिक्षक बैठक हुई। बैठक के दौरान अभिभावकों ने संबंधित कक्षा अध्यापकों से अपने बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन, अध्ययन की प्रगति, अनुशासन तथा सुधार की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। शिक्षकों ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए तथा अभिभावकों से घर पर नियमित अध्ययन का वातावरण बनाए रखने का आग्रह किया। विद्यालय के प्राचार्य राजीव उतरेजा ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के बीच निरंतर संवाद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधारशिला है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बैठकें बच्चों की शैक्षणिक प्रगति का सही मूल्यांकन करने तथा उनकी कमियों को समय रहते दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए शिक्षकों के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फ़ोन : 9315429403, 9253681005

एसपी ने सीबीएसई क्लस्टर वॉलीबॉल टूर्नामेंट का किया शुभारंभ

खेल संस्कार, अनुशासन व सफलता की सर्वश्रेष्ठ पाठशाला हैं : एसपी खट्टर



फतेहाबाद। क्लस्टर वॉलीबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ करते एसपी निकिता खट्टर।

माध्यम से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, धैर्य, सहयोग, आपसी सम्मान, भाईचारे तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे जीत में विनम्रता और हार में धैर्य बनाए रखें, क्योंकि एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान उसके उत्कृष्ट आचरण और खेल भावना से होती है। कार्यक्रम में पहुंचने पर विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं प्रिंसिपल ने पुलिस अधीक्षक का पौधा भेंट कर स्वागत किया। इसके उपरांत एसपी निकिता खट्टर ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है तथा

पौधारोपण भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक ने विधिवत रिबन काटकर सीबीएसई क्लस्टर वॉलीबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया तथा स्वयं वॉलीबॉल की पहली सर्विस कर प्रतियोगिता का विधिवत आगाज किया। उन्होंने सभी प्रतिभागी टीमों को निष्पक्षता, अनुशासन, समर्पण एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ खेलते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।



सिरसा। प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

खेलों को बनाएं दिनचर्या का हिस्सा : डीईओ

सिरसा। शिक्षा विभाग के तत्वावधान में स्थानीय शहीद भगत सिंह स्टेडियम में जिला स्तरीय विद्यालय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिताओं में जिले के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के सैकड़ों छात्र-छात्राएं अपना दमखम दिखा रहे हैं। ये प्रतियोगिताएं 20 अगस्त तक चलेंगी। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला ने बताया कि प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास करना है। साथ ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए जिले की उत्कृष्ट खेल प्रतिभाओं का चयन भी किया जा रहा है। खिलाड़ियों में प्रतियोगिताओं को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन, जिम्नैस्टिक, फेंसिंग, टेनिस, सॉफ्टबॉल, तीरंदाजी, टेबल टेनिस, हॉकी, नेटबॉल, शतरंज, स्केटिंग, कराटे, भारोलेन, क्रिकेट, एथलेटिक्स, बैसबॉल, जूडो, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, साइक्लिंग, तैराकी, योग, कुश्ती, मुक्केबाजी, शूटिंग, कबड्डी, खो-खो, ताइक्वांडो, फुटबॉल तथा वुशु सहित 32 खेलों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों को नशे के दुरुपयोगों के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहकर खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि नशा युवा शक्ति और खेल प्रतिभा को कमजोर कर देता है तथा व्यक्ति की शारीरिक एवं मानसिक क्षमता को प्रभावित करता है। खेलों में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, कठोर परिश्रम और स्वस्थ जीवनशैली अत्यंत आवश्यक है।

स्व. होशियारी लाल शर्मा की पुण्यतिथि पर लगाया जाएगा रक्तदान शिविर

सिरसा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्व. पंडित होशियारी लाल शर्मा की 5वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 20 अगस्त को रिड्मि-सिद्धि रिर्सेंट में एक विशेष श्रद्धांजलि एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। हरियाणा व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष हीरालाल शर्मा ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि वे भले ही कांग्रेसी विचारधारा से जुड़े थे, लेकिन उनका व्यक्तित्व राजनीति से ऊपर था। डर समाज, जाति और धर्म के लोग उनके पास अपनी समस्याएं लेकर आते थे और वे बिना किसी मेढमाव के सभी के काम के लिए सदैव तत्पर रहते थे। युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष से लेकर प्रदेश स्तर तक अपनी मजबूत पहचान बनाने वाले होशियारी लाल शर्मा ने सिरसा ही नहीं बल्कि पूरे हरियाणा में पार्टी संगठन को मजबूत करने में अहम योगदान दिया।



सिरसा। पत्रकारों से बात करते हुए व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष हीरालाल शर्मा।

शिक्षा, संस्कार, सामाजिक समरसता ही संगठन का उद्देश्य: लक्ष्मीनारायण

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

अखिल भारतीय दायमा दाधीच ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण दाधीच ने कहा दाधीच सभा समाज को संगठित करने, युवाओं को जोड़ने तथा सामाजिक सरोकारों को नई दिशा देने का उल्लेखनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज के सम्मानित व्यक्तियों का सम्मान करना हमारी संस्कृति और परंपरा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। लक्ष्मीनारायण शनिवार को सिरसा में सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित



सिरसा। लक्ष्मीनारायण दाधीच को सम्मानित करते सभा के सदस्य।

पहुंचकर शिक्षा, संस्कार, सामाजिक समरसता और युवा सशक्तिकरण के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। लक्ष्मीनारायण शनिवार को सिरसा में सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित

कर रहे थे। कार्यक्रम में अखिल भारतीय दायमा दाधीच ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष रघुवीर शर्मा, ब्राह्मण सभा सिरसा के अध्यक्ष प्रो. दयानंद शर्मा, सुशील शर्मा, हीरालाल शर्मा, सुधीर सास्वत, इंद्रमोहन शर्मा, महेश शर्मा आदि मौजूद थे।

सांस्कृतिक गतिविधियां छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण की मजबूत नींव : रमेश कुमार

खंड स्तरीय कल्चर फेस्ट में विद्यार्थियों ने बिखरे संस्कृति के रंग

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेला ग्राउंड में खंड स्तरीय कल्चर फेस्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार, ने किया। कार्यक्रम में ब्लॉक के विभिन्न राजकीय विद्यालयों से आए 250 से अधिक विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं का आयोजन कक्षा 5वीं से 8वीं तथा कक्षा 9वीं से 12वीं के दो वर्गों में किया गया। इस दौरान सोलो फोल्क डांस, ग्रुप डांस, सोलो रागिनी तथा जूनियर एवं सीनियर वर्ग की रिकट प्रतियोगिताओं



सिरसा। सांस्कृतिक प्रस्तुति में भाग लेने वाले बच्चों को सम्मानित करते हुए।

में विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। प्रतिभागियों ने हरियाणा की लोक संस्कृति, लोक परंपराओं, सामाजिक

मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता, पौधारोपण तथा सामाजिक समरसता जैसे विषयों को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से

प्रभावशाली ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया। रंग-बिरंगी वेशभूषा, लोक संगीत और अभिनय ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर

नशे के खिलाफ मुहिम में

सरपंच करें सहयोग: डीएसपी



सिरसा। सरपंचों के साथ बैठक करते डीएसपी।

ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर कई मामलों का मौके पर समाधान किया गया।

हरिभूमि न्यूज़ ►►डिग

जिला को नशामुक्त बनाने की मुहिम के तहत शनिवार को डिग थाना परिसर में डीएसपी राजवीर सिंह ने थाना क्षेत्र के सरपंचों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया। डीएसपी ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। डीएसपी राजवीर सिंह ने कहा कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस और समाज की साझेदारी बेहद जरूरी है।

उन्होंने सरपंचों से अपील की कि यदि गांव में कहीं भी नशे का कारोबार होता नजर आए तो बिना किसी डर के इसकी सूचना पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। बैठक में ग्रामीणों को

अवेज-एफ के बारे में भी जानकारी दी गई। साइबर सेल की टीम ने लोगों के मोबाइल में एप डाउनलोड करवाया और इसके जरिए संदिग्ध कॉल, साइबर ठगी व अन्य मामलों में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने सभी सरपंचों से गांवों के प्रवेश और निकासी मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का आग्रह किया, ताकि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। साथ ही युवाओं को नशे से दूर रखने, नशा पीड़ितों के पुनर्वास और अपराध रोकने में ग्रामीणों की भागीदारी बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सरपंचों से कहा कि यदि आपके आसपास या गांव में कोई व्यक्ति नशे का कारोबार करता है, या किसी अन्य गतिविधियों में संलिप्त है तो उसकी सूचना बेझिझक पुलिस प्रशासन को दें सूचना देने वाले का नाम पूर्ण रूप से गुप्त रखा जाए।

न्यूज़ डायरी

पर्यावरण सुधार समिति ने शुरू किया पौधरोपण अभियान
सिरसा। शहीद उद्यम सिंह जयंती पर गांव पन्नीवाला मोटा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक सराहनीय पहल की गई। पर्यावरण सुधार समिति के सदस्यों ने गांव को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ पेस कार्यालय के प्रांगण में पौधों का पौधा लगाकर नए पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर मुख्यातिथि कर्माच के सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप बेनीवाल ने भी अपने हाथों से पौधा लगाया। उन्होंने समिति के इस कार्य की जनक सराहना की और उपस्थित अन्य ग्रामीणों को भी अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप बेनीवाल ने कहा कि महान शहीद उद्यम सिंह जी ने देश की माटी के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। आज उनकी जयंती पर देश की इस माटी को हरा-भरा और समृद्ध बनाना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है।

पानी-सीवरेज कनेक्शन नियमित कराने की अपील

सिरसा। जनस्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग सिरसा के एसडीओ दीपक कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों में पानी के पानी एवं सीवरेज कनेक्शनों को नियमित करवाने के लिए विशेष सूट दी जा रही है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि जिन उपभोक्ताओं के पानी या सीवरेज कनेक्शन अभी तक नहीं लगे हैं अथवा अवैध रूप से चल रहे हैं, वे तुरंत विभाग से संपर्क कर अपने कनेक्शन नियमित करवाएं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रोड कट चार्ज पर भी विशेष सूट दी जा रही है। यदि उपभोक्ता इस अवसर का लाभ नहीं उठाते हैं तो भविष्य में रोड कट चार्ज लगभग 8 हजार से 10 हजार या नियमानुसार निर्धारित राशि तक वैन पड़ सकता है। इसलिए समय रहते अपने कनेक्शन वैध करवा लेना सभी के हित में है।

वित्तीय जागरूकता से आत्मनिर्भर बनेंगे विद्यार्थी

सिरसा। सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विद्यार्थियों को वित्तीय रूप से जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से फाइनेंशियल लिटरेसी अवैयरनेस प्रोग्राम का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पावल गुप्ता ने वित्तीय योजना, बचत की प्रभावी तकनीकों, सुरक्षित निवेश, वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव, टैक्स से संबंधित निवेश रणनीतियां तथा भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में प्रत्येक विद्यार्थी के लिए वित्तीय साक्षरता अत्यंत आवश्यक है, जिससे वह अपने जीवन में सही आर्थिक निर्णय लेकर सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सके। इस अवसर पर पवन लोहुर एवं निशु ने भी निवेश से जुड़ी आवश्यक सावधानियों, वित्तीय शब्दावली, डिजिटल लेन-देन की सुरक्षा तथा जिम्मेदार निवेश के महत्व पर प्रकाश डाला।

मेडिशन फॉर द नेशन अभियान शुरू

सिरसा। राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा मेडिशन फॉर द नेशन अभियान 3.0 का आयोजन किया जा रहा है। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य व्याधिक दण्डीधारी संतोष बागोतिया ने बताया कि अभियान के तहत 30 सितंबर 2026 तक उन मामलों की पहचान की जाएगी, जिनका समाधान न्यायप्रस्था (मेडिशन) के माध्यम से किया जा सकता है। इसके बाद 1 अक्टूबर 2026 से मेडिशन फॉर द नेशन 3.0 अभियान का विधिक शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस विशेष अभियान के अंतर्गत वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा मामले, छहलू-हिसा से संबंधित मामले, चेक बाउंस (धारा 138 एन.आई. एक्ट) मामले, वाणिज्यिक एवं व्यापारिक विवाद, सेवा संबंधी मामले, आपराधिक सझ्झाता योग्य मामले, उम्मीदवार विवाद, विमानवायु वस्तु संबंधी मामले, संपत्ति विभाजन, वैधव्यली एवं किरायेदारी विवाद, भूमि अधिग्रहण तथा अन्य ऐसे सिविल मामलों को मध्यस्थता के लिए चिन्हित किया जा रहा है, जिनमें सझ्झाते की संभावना हो।

ये रहे परिणाम

प्रतियोगिता के परिणामों में राजकीय संस्कृति मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिरसा ने सोलो रागिनी एवं सोलो फोल्क डांस प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर एवं सीनियर ग्रुप डांस प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पतली डाबर ने प्रथम स्थान हासिल किया। जूनियर ग्रुप रिकट में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पनिसारी तथा सीनियर ग्रुप रिकट में एस.एन.एस. राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भावदीन विजेता रहे। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों अब जिला स्तरीय कल्चर फेस्ट-2026 में सिरसा ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय की प्रधानाचार्या परमजीत कौर एवं अनिल भाटिया ने विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर स मानाित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

दिया। मुख्यातिथि खंड शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार ने इस अवसर पर कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की मजबूत नींव हैं। ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना तथा अपनी संस्कृति के प्रति गर्व की भावना विकसित होती है।



मित्रता दिवस विशेष



सफलता-सुकून-समृद्धि खुशहाल जीवन का आधार दोस्ती

इस दुनिया में हमारी पहचान विभिन्न प्रकार के आपसी संबंधों के ताने-बाने से बुनी होती है। इन संबंधों में दोस्ती यानी मित्रता को सबसे पवित्र, निःस्वार्थ और सहज माना जाता है। आधुनिक भाग-दौड़ भरी जिंदगी, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के इस दौर में दोस्ती केवल एक सामाजिक रिश्ता भर नहीं है, बल्कि हमारे ओवरऑल डेवलपमेंट और वेलबीइंग का एक जरिया भी है। अतीत गवाह है कि श्रीकृष्ण-सुदामा की सहज मित्रता से लेकर आधुनिक कॉर्पोरेट जगत के सह-संस्थापकों की पार्टनरशिप तक, दोस्ती ने हर युग में जीवन को एक नई दिशा दी है। वैश्विक स्तर पर हुए विभिन्न शोधों, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों और न्यूरोसाइंस के निष्कर्षों से भी यह सिद्ध हुआ है कि एक सच्चा दोस्त हमारे जीवन में सफलता का वाहक, मानसिक सुकून का ढाल, समृद्धि का मार्गदर्शक और जीवन को सरल बनाने वाला सबसे बड़ा कारक होता है।

तनाव में होती है कमी: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक दीर्घकालिक अध्ययन के अनुसार, जो व्यक्ति अच्छे सामाजिक संबंधों और गहरे दोस्तों के बीच रहते हैं, वे अधिक खुश और तनावमुक्त रहते हैं। जब हम किसी विश्वसनीय मित्र से अपनी बातें साझा करते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में 'ऑक्सीटोसिन' और 'डोपामाइन' जैसे हैप्पी हार्मोन का स्राव होता है। यह प्रक्रिया कोर्टिसोल नामक तनाव उत्पन्न करने वाले हार्मोन के स्तर को तेजी से कम करती है, जिससे मानसिक सुकून मिलता है।

करियर सक्सेस में सहायक: अमेरिकी समाजशास्त्री मार्क ग्रेनोवेटेर के 'द स्ट्रेंथ ऑफ वीक टाइज' सिद्धांत और स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए शोध बताते हैं कि प्रोफेशनल लाइफ में सफलता का सीधा संबंध आपके मित्रों के दायरे और नेटवर्किंग से है। दोस्त न केवल आपको



नए अवसरों की जानकारी देते हैं, बल्कि आपके कौशल को निखारने में रचनात्मक आलोचना भी करते हैं। कार्यस्थल पर एक अच्छा मित्र होने से कर्मचारी की उत्पादकता में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है।

शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार: 'प्लॉस मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित 148 अध्ययनों के एक मेटा एनालाइसिस के अनुसार, जिन लोगों का सामाजिक जीवन और मित्रों का दायरा मजबूत होता है, उनके समय से पूर्व डेथ की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अकेलेपन का स्वास्थ्य पर डेली 15 सिगरेट पीने जैसा असर होता है। दोस्त हमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और बीमारियों से लड़ने की इच्छाशक्ति देते हैं।

खुले आर्थिक समृद्धि का मार्ग: दुनिया के कई बड़े व्यापारिक साम्राज्य जैसे गुगल (लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन) या एप्पल (स्टीव जॉब्स

और स्टीव वॉज्नियाक) गहरी दोस्ती की नींव पर बने हैं। बर्कले यूनिवर्सिटी के एक आर्थिक अध्ययन के अनुसार, मित्रों के बीच आपसी विश्वास के कारण जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है। जब मित्र मिलकर किसी विचार पर काम करते हैं, तो वित्तीय समृद्धि के रास्ते अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाते हैं।

संघर्ष करने की क्षमता में इजाफा: मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब व्यक्ति किसी कठिन समस्या का सामना अकेले करता है, तो उसे वह समस्या बहुत बड़ी लगती है। वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के एक प्रसिद्ध प्रयोग (हिल विजुअलाइजेशन स्टडी) में पाया गया कि दोस्तों की उपस्थिति जीवन की मुश्किलों को सरल बना देती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास: कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार, बचपन और किशोरावस्था में बने



या झिझक के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए आविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार है। *

गहरे दोस्त व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं। दोस्तों के साथ रहकर हम सहानुभूति, साझा करना और दूसरों के दृष्टिकोण को समझना सीखते हैं।

अवसाद-अकेलेपन से सुरक्षा: शिकागो विश्वविद्यालय के कॉमिंगटन एंड सोशल न्यूरोसाइंस केंद्र के अध्ययनों के अनुसार, अकेलापन मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो शारीरिक दर्द के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके विपरीत, मजबूत दोस्ती एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। अवसाद या किसी बड़े व्यक्तिगत नुकसान (जैसे नौकरी जाना या प्रियजन की मृत्यु) के समय दोस्तों का भावनात्मक समर्थन मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

बढ़ते निर्णय लेने की क्षमता: येल यूनिवर्सिटी के एक न्यूरोइकोनॉमिक्स अध्ययन के अनुसार, संकट के समय मित्र हमारे लिए एक 'बाहरी पर्यवेक्षक' की भूमिका निभाते हैं। जब हमारा मस्तिष्क तनाव के कारण सही निर्णय नहीं ले पाता, तब सच्चे दोस्त हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर सोचने में मदद करते हैं। उनकी सलाह से हमारी निर्णय प्रक्रिया सरल और सटीक हो जाती है, जो अंततः हमारी समृद्धि का प्रमुख कारण बनती है।

रचनात्मकता-नवाचार को बढ़ावा: मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार, मित्रों के समूह में होने वाली ब्रेन स्टॉर्मिंग से मस्तिष्क में नए न्यूरोल पाथवे बनते हैं। दोस्तों के साथ बिना किसी डर के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए आविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार है। *

तकनीक ने हमारी जीवनशैली को ही नहीं, दोस्त बनाने के तरीके को भी बदल दिया है। आज सोशल मीडिया के जरिए हम एक क्लिक पर दुनिया में किसी से भी दोस्ती कर सकते हैं। सबसे खूबसूरत इसानी रिश्तों में से एक दोस्ती को तकनीक कैसे नए ढंग से परिभाषित कर रही है, इस बारे में आप भी जानिए।

फ्रेंड रिक्वेस्ट ने बदल दी दोस्त बनाने की परिभाषा

न्यू टेंड
शैलेंद्र सिंह

इस बात में संदेह नहीं कि सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद दोस्ती करना आसान हो गया है। इसके पहले दुनिया में कहीं भी किसी से दोस्ती करना इतना आसान न था कि किसी को दो लाइन की एक लिखित रिक्वेस्ट भेजी और अम्मुन 90 फीसदी से ज्यादा मौकों पर दोस्ती हो जाती है। ये है दोस्ती का नया तरीका यानी फ्रेंड रिक्वेस्ट। यह तरीका सोशल मीडिया के पहले दुनिया के पास नहीं था।

बन सकते हैं हजारों दोस्त: आज अपने देश में कम से कम 60 फीसदी ऐसे वयस्क हैं, जिनके सोशल मीडिया पर एक हजार या इससे ज्यादा दोस्त हैं। 10 फीसदी तो ऐसे लोग हैं, जिनके दोस्तों की इस आभासी दुनिया में संख्या पांच हजार के आस-पास है और एक से डेढ़ फीसदी ऐसे लोग भी हैं, जिनके दोस्तों की संख्या हजारों नहीं दसियों हजार से ऊपर है। दरअसल, ये दोस्त नहीं फॉलोवर्स कहलाते हैं।

दुनिया भर में कर सकते हैं दोस्ती: दुनिया में एक और बड़ा धमाका सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद हुआ। चाहे आप देश या दुनिया के कितने ही पिछड़े इलाके में रह रहे हों, लेकिन सोशल मीडिया के चलते आप देश-विदेश कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। ऐसे लोगों के साथ जिन्हें न कभी देखा हो, न कभी उनसे मुलाकात हुई हो, न उनके बारे में कुछ ज्यादा जानते हों और न ही उनके आपके विचार, रूचियां और सपने एक जैसे हों। इसके बाद भी चाहें तो आप सोशल मीडिया के जरिए ऐसे विपरीत रुचियों के लोगों के साथ भी सहजता से देश-विदेश में दोस्ती कर सकते हैं। अब दोस्ती के लिए न बहुत हैसियत की जरूरत है, न बहुत पैसे की, न सामाजिक प्रभुत्व या न ही किसी क्षेत्र विशेष में उल्लेखनीय होने की जरूरत है। दोस्ती के लिए अब सिर्फ एक ही चीज की जरूरत है- आपके पास

मोबाइल या कंप्यूटर हो, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन हो। बस इतने भर से आप देश-विदेश में कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। दोस्ती की दुनिया में ये असाधारण परिवर्तन है, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया के आने के पहले कभी नहीं हुआ था।

हर सीमा, सरहद से परे: दोस्ती हमेशा से इसानी रिश्तों की सबसे खूबसूरत कड़ी रही है। कभी ये स्कूल, कॉलेज, पड़ोस या कार्यस्थल तक सीमित रहती थी, लेकिन जब से संपर्क करने का सबसे तीव्र माध्यम इंटरनेट अस्तित्व में आया और फिर सोशल मीडिया जैसे आभासी प्लेटफॉर्म बने। उसके बाद से दोस्ती की परिभाषा, उसकी अवधारणा हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई। अब दोस्ती का दायरा स्थानीय नहीं है बल्कि वैश्विक हो चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक,



लिंकडइन, एक्स, डिस्कॉर्ड, रेडिट और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने दुनिया भर के करोड़ों लोगों को दोस्ती के एक ऐसे साझा मंच से जोड़ा है, जिसकी पहले कल्पना भी नहीं कर सकते थे।

अपनी रुचि के लोगों से दोस्ती: सोशल मीडिया की सुविधा ने तरह-तरह के समूहों को जन्म दिया है। मान लीजिए, आप लेखक हैं और आपको दूसरे लेखकों के साथ बातचीत करना, उठना-बैठना अच्छा लगता है, तो चाहें तो आप देश-विदेश के हजारों लेखकों से ही अपनी दोस्ती बना लें और दिन-रात उनके साथ ही मस्त रहें। मतलब यह कि सोशल मीडिया ने दोस्ती को एक ऐसा उपभोक्ता उत्पाद बना दिया है, जिसे आप अपनी चाहत और सुविधा के हिसाब से किसी भी रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर वर्ग को हो रहा फायदा: इंटरनेट और सोशल मीडिया ने इस दूरस्थ दोस्ती में कुछ इस तरह का रंग भरा है कि आज युवा ही नहीं तमाम वरिष्ठ नागरिक भी इस ऑनलाइन दोस्ती का खूब आनंद ले रहे हैं। यह ऑनलाइन दोस्ती सिर्फ मनोरंजन या जिज्ञासा तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसने कारोबार की दुनिया में भी बड़ी जबर्दस्त भूमिका निभाई है। यानी ऑनलाइन दोस्ती हर वर्ग को फायदा पहुंचा रही है। *



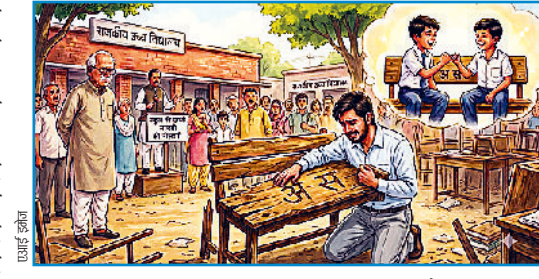
दोस्त के हंसते ही...

मुस्कुराने से अमलतास भी खिल उठता था दोस्त के हंसे ही आकाश भी खिल उठता था उसके आने से आ जाती थी घर में रौनक उसके ठेके से मधुमास भी खिल उठता था ऐसे मिलता था वो जगहों से हो रिश्ता जैसे पास बैठा हुआ उल्लास भी खिल उठता था उसकी यादों में मुकम्मल-सा जगह है अपना उसके ठेके का अरुसास भी खिल उठता था छेनी से उसकी तराशी थी कुछ ऐसी मूर्त उसकी जुबिश से नक्काश भी खिल उठता था साथ रखता था वो यूँ कांथे पे करीने से उसके छूने से विश्वास भी खिल उठता था

लघुकथाएं

एक लंबे समय बाद अरुण का गांव लौटना हुआ। गांव में बहुत कुछ बदल गया था। पगडंडियों ने सड़क का रूप धारण कर लिया था। उसका अपना स्कूल नए भवन में शिफ्ट हो चुका था, नए फर्नीचर से सजा नया विद्यालय भवन देख मन कुछ प्रसन्न था तो कहीं मन में अवसाद भी था। स्कूल का पुराना सामान नीलाम किया जा रहा था। भारी कदमों से अरुण भी इस नीलामी में जा पहुंचा। कबाड़ के ढेर में पड़ी एक टूटी-फूटी लकड़ी की बेंच देखकर अरुण ठिठक कर रुक गया। 'इसे भी बेचेंगे?' उसने प्रधानाचार्य से पूछा। 'हां, अब इसका कोई उपयोग नहीं।' अरुण ने उस बेंच पर बड़े प्यार से हाथ फेरा। उस पर परकार (कंपास) से उकेरे गए दो अक्षर अब भी सुस्पष्ट रूप से अंकित थे। 'अ' और 'स'। उसके चेहरे पर एकाएक कई भाव, कई रंग आए और चले गए। वह और समीर हमेशा इसी बेंच पर बैठ कर बैठे थे। अंगुठे के साथ पूरा हाथ घुमाते हुए दोनों ने एकदम पक्की दोस्ती का दम भरते हुए कहा था, 'चाहे जहां रहें, अपनी यह दोस्ती कभी नहीं टूटेगी।' समय के साथ, अपनी-अपनी नौकरी के चलते, दोनों दूर तो हुए पर उनकी दोस्ती का धागा पूरी मजबूती से बंधा रहा। अरुण बेंच पर बैठ गया और अपने पास की खाली जगह पर प्यार से हाथ फेरते हुए भरांप स्वर

पुरानी बेंच

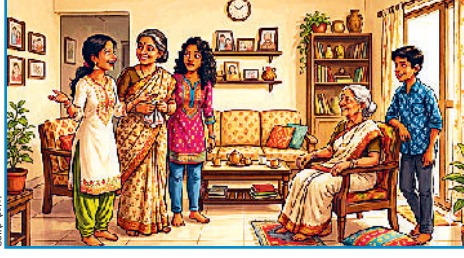


में बोला, 'समीर! तू चल न मेरे साथ, आज भी मैं अकेला नहीं बैठूंगा।' अरुण ने वह बेंच खरीद ली। लोग हैरानी से उसे देख रहे थे। बेंच को सीने से लगाते हुए वह बोला, 'समीर दोस्त था मेरा। युद्ध में दुश्मन से लोहा लेते हुए शहीद हो गया। पर हमारी दोस्ती आज भी इसी बेंच पर बैठी मेरा इंतजार कर रही है।' *

- डॉ. यशोधरा भटनागर

अपनों से दोस्ती

हंसती-खिलखिलाती उसकी फ्रेंड ठीक उसी अलहड़ अंदाज में अपने घर के भीतर दखिल हुई, जैसे कॉलेज कैम्पस, बाजार या सिनेमा हॉल में सहेलियों के साथ रहती है। अपनों के साथ भी खुलकर बातें, सीधे-सच्चे सवाल और खुशनुमा व्यवहार का खुलापन। मां, दादी और छोटे भाई से दिनभर की बातें और शिकायतें न कुछ छुपने में उलझन ना ही कुछ कहने में अटकाने। सब कुछ तरल-सा, बहता-सा, संबंधों में साथ-स्नेह के सही मायने समझाता-सा। उसके लिए यह हैरान-परेशान करने वाले दृश्य थे। वे दोनों बहनें तो घर के भीतर आते ही एक ठहरा ठिठका-सा रंग-ढंग ओढ़ लेती हैं। चाहे कहीं से भी लौटें घर के आंगन में पांव धरते ही कुछ अलग-सी ही हो जाती हैं। हर बात



संगीत के अनछुए सुर

प्रकार, लेखक और चित्रकार देव प्रकाश चौधरी की हालिया प्रकाशित किताब 'शब्द उठान सुर तिहाई' ऐसी संगीतमय किताब है, जिसके हर पन्ने पर सुर हैं, संगीत की राग-रागिनियां हैं। इन रागिनियों से निकले हैं संगीत साधकों के जीवन साधना से जुड़े अनेक किस्से। पुस्तक उस्ताद फैयाज खान की संगीत साधना के एक किस्से से शुरू होती है। एक बार जब फैयाज खान, ट्रेन के डिब्बे में बैठे सुरों की साधना में लीन होते हैं। अंग्रेज गार्ड खिड़की के बाहर खड़ा होकर सुरों के सागर में गोते लगाने लगता है। गाड़ी के चलने का वक्त निकलने लगता है और स्टेशन मास्टर



बैचैन हो उठता है, मगर गार्ड हरी झंडी नहीं दिखाता। वह कहता है, 'भीतर फरिश्ता गा रहा है।' यह पुस्तक भारतीय संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपरा का जीवंत दस्तावेज है। इसमें पंडित बिरजू महाराज के नृत्य में समाहित अभिनय, कथा और संगीत का अद्भुत समन्वय है। बनारस के घाटों पर मंदिरों की गुंजती घंटियों के बीच बिरमिल्लाह खां की शहनई की सुर-लहरियां हैं। उस्ताद अमीर खां की रूहानी गायिकी की गहराई है, तो मेवाती घराने के दैदीप्यमान सितारे पंडित जसराज का वह प्रेरक प्रसंग भी है, जिसमें वे तबला वादन से गायन की ओर अप्रसर होते हैं। ये किस्से सुर और संगीत की जादुई शक्ति से हमारा परिचय कराते हैं। लेखक की संवेदना से भरी भाषा ने इसे और आत्मीय, और कलात्मक बना दिया है। *

पुस्तक: शब्द उठान सुर तिहाई, लेखक: देव प्रकाश चौधरी
मूल्य: 225 रुपए, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

देश के कोने-कोने का भरोसा

2 करोड़+ खुश आदम

आपके सुदृढ़ी सभी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
Available at: www.mushroomworld.com
Amazon | Flipkart

वजन बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियाँ

10 दिनों में असर देखें

क्योंकि वजन है, तो वजनदारी है!

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd. For Trade Enquiry - +91 888 922 3333



धार्मिक स्थल
शिखर चंद जैन

महादेव के प्रमुख गण नंदी देव की भव्य-अनूठी प्रतिमाएं

शिव आराधना का विशेष पावन माह सावन आरंभ हो चुका है। इस दौरान भक्तगण विशेष तौर पर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं। शिव के साथ उनके प्रिय गण नंदी महाराज भी पूजे जाते हैं। देश के कई मंदिर ऐसे हैं, जो भव्य नंदी प्रतिमाओं के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं। अलग-अलग स्थानों पर स्थित ऐसे ही कुछ मंदिरों के बारे में बता रहे हैं आपको, जहां नंदी महाराज अपने भव्य स्वरूप में विराजमान हैं।

काले ग्रेनाइट से बनी विशाल प्रतिमा चामुंडी पहाड़ी का नंदी मंदिर, मैसूर

कर्नाटक के मैसूर में चामुंडी पहाड़ियों में स्थित प्रसिद्ध चामुंडेश्वरी मंदिर की चढ़ाई के रास्ते में लगभग 700वीं सीढ़ी पर स्थित यह नंदी प्रतिमा भक्तों के आकर्षण का मुख्य केंद्र है। इस भव्य प्रतिमा का निर्माण वर्ष 1659 में मैसूर के महाराजा डोड्डा देवराजा वोडेयार के शासनकाल में हुआ था। 16 फीट ऊंची और 24 फीट लंबी यह प्रतिमा पूरी तरह से काले ग्रेनाइट पत्थर से बनी है। नंदी के गले में लटकती हुई सुंदर घंटियों की श्रृंखला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस मंदिर में सुबह 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक दर्शन सुलभ हैं। *

दुनिया की सबसे बड़ी नंदी प्रतिमा महानंदीश्वर स्वामी मंदिर, कर्नूल

आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले में स्थित महानंदी मंदिर, वास्तुकला का शिखर माना जाता है। चारों ओर नौ नंदी मंदिरों (नवनंदुलु) से घिरे इस क्षेत्र का मुख्य आकर्षण, यहां स्थापित विशाल नंदी देव हैं। इसे दुनिया की सबसे विशाल नंदी प्रतिमा माना जाता है, जो एक ही पत्थर से तराशी गई है। मंदिर के गर्भगृह के ठीक नीचे एक प्राकृतिक औषधीय जल स्रोत कल्याणी है, जहां पूरे साल लगातार पानी बहता रहता है। इस पानी का स्रोत आज तक एक रहस्य है। यहां सुबह 4:45 से रात 8:30 बजे तक दर्शन किए जा सकते हैं। *

यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल बृहदेश्वर मंदिर नंदी, तंजावुर

चोल राजवंश के राजा राजराजा चोल प्रथम द्वारा निर्मित, तमिलनाडु में स्थित यह मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर का हिस्सा है। यहां मंदिर के ठीक सामने मंडप में एक विशालकाय नंदी स्थापित है। यह प्रतिमा लगभग 12 फीट ऊंची, 19.5 फीट लंबी और इसका वजन करीब 25 टन है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस नंदी प्रतिमा का आकार लगातार बढ़ रहा था। इसे रोकने के लिए प्राचीन शिल्पकारों ने नंदी की पीठ पर एक विशेष कील लगा दी। यहां सुबह 6:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और शाम 4:00 बजे से रात 8:30 बजे तक दर्शन कर सकते हैं। *

रेत और चूने से बने भव्य नंदी देव रामनाथस्वामी मंदिर, रामेश्वरम

भारत के चार पवित्र धामों में से एक, रामेश्वरम (तमिलनाडु) के मुख्य गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर एक अत्यंत विशाल नंदी महाराज की प्रतिमा विराजमान है। यह नंदी प्रतिमा साधारण पत्थर से नहीं, बल्कि चूने और रेत के विशेष मिश्रण से बनाई गई है। यह प्रतिमा करीब 17.5 फीट ऊंची और 22 फीट लंबी है। मान्यता है कि यहां नंदी देव के दर्शन से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। मंदिर के विशाल और विश्व प्रसिद्ध गलियारे के मुहाने पर बैठे नंदी महाराज की छवि बेहद अलौकिक और शांत प्रतीत होती है। यहां दर्शन का समय सुबह 5:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 3:00 बजे से रात 9:00 बजे तक है। *



वन संपदा / वीणा गौतम

रत के पूर्वी तट पर फैला सुंदरवन, केवल दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन ही नहीं बल्कि एक ऐसा सांस्कृतिक स्थल भी है, जहां मनुष्य और प्रकृति का अनोखा संतुलन दिखाई देता है। गंगा-ब्रह्मपुत्र नदियों के डेल्टा की यह धरती, जितनी हरी-भरी और उपजाऊ है, उतनी ही रहस्यमयी भी है।

प्रवेश से पूर्व वनदेवी की पूजा: सुंदरवन की सबसे अनोखी पहचान है इसकी लोकआस्था, जो इतनी रहस्यमयी और गहरी है कि इसकी कोई अनदेखी नहीं करता। यहां के लोग जब भी जंगल में प्रवेश करते हैं, तो सबसे पहले जंगल की देवी 'बोनबिबी' की पूजा करते हैं। माना जाता है कि सुंदरवन में जाने वाले लोगों की अमानवीय शक्तियों से बोनबिबी ही रक्षा करती हैं। बोनबिबी के साथ ही यहां दक्षिण राय देवता की भी पूजा होती है, जिन्हें बाघों का कुलदेवता माना जाता है। कहते हैं, कई बार बाघों के ये कुलदेवता दक्षिण राय खुद भी बाघ बनकर वन में घूमते हैं, ताकि वन के अंदर प्रवेश करने वाले मनुष्यों की परीक्षा ले सकें। वास्तव में सुंदरवन में प्रकृति का सम्मान

अपने देश के पूर्वी तट पर स्थित सुंदरवन ऐसा अनोखा वन प्रदेश है, जो कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जाता है। इस वन की विशेषताओं और इससे जुड़ी लोक मान्यताओं पर एक नजर।

लोकआस्था-पारिस्थितिकी का अनोखा संगम है सुंदरवन

महत्वपूर्ण माना जाता है।

निहित है प्रकृति सुरक्षा की भावना: सुंदरवन से गुजरने वाली नदियां और घने मैंग्रोव वन इसे, एक रहस्यलोक बनाए हुए हैं। इसी भय से बचने के लिए लोग सुंदरवन की अदृश्य शक्तियों की पूजा करते हैं। स्थानीय लोग सैकड़ों ऐसी कहानियां सुनाते हैं कि जब भी कोई बिना श्रद्धा या सुंदरवन के नियमों की अवहेलना करते हुए अंदर गया तो वह या तो भटक गया है या जंगली जानवरों का शिकार हो गया। बाघों की मौजूदगी के अलावा सुंदरवन में जहरीले सांप भी निवास करते हैं। बोनबिबी-जहूरनामा नाम का एक लोककाव्य भी है, जिसमें मनुष्य और जंगल के बीच संघर्ष और संतुलन की काव्य कथा है। इस कथा और इस जैसी अनेक कथाओं का सार ही है कि सुंदरवन केवल भौतिक वन नहीं है, यह एक जीवित चेतना का रहस्यगान है।

समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र: सुंदरवन का जितना लोकआस्था और प्राकृतिक महत्व है, उससे भी कहीं ज्यादा भारत की समृद्ध पारिस्थितिकी में इसकी भूमिका है। राष्ट्रीय और वैश्विक पर्यावरण के लिए सुंदरवन एक प्राकृतिक सुरक्षा की भावना: सुंदरवन से गुजरने वाली नदियां और घने मैंग्रोव वन इसे, एक रहस्यलोक बनाए हुए हैं। इसी भय से बचने के लिए लोग सुंदरवन की अदृश्य शक्तियों की पूजा करते हैं। स्थानीय लोग सैकड़ों ऐसी कहानियां सुनाते हैं कि जब भी कोई बिना श्रद्धा या सुंदरवन के नियमों की अवहेलना करते हुए अंदर गया तो वह या तो भटक गया है या जंगली जानवरों का शिकार हो गया। बाघों की मौजूदगी के अलावा सुंदरवन में जहरीले सांप भी निवास करते हैं। बोनबिबी-जहूरनामा नाम का एक लोककाव्य भी है, जिसमें मनुष्य और जंगल के बीच संघर्ष और संतुलन की काव्य कथा है। इस कथा और इस जैसी अनेक कथाओं का सार ही है कि सुंदरवन केवल भौतिक वन नहीं है, यह एक जीवित चेतना का रहस्यगान है।

समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र: सुंदरवन का जितना लोकआस्था और प्राकृतिक महत्व है, उससे भी कहीं ज्यादा भारत की समृद्ध पारिस्थितिकी में इसकी भूमिका है। राष्ट्रीय और वैश्विक पर्यावरण के लिए सुंदरवन एक प्राकृतिक सुरक्षा की भावना: सुंदरवन से गुजरने वाली नदियां और घने मैंग्रोव वन इसे, एक रहस्यलोक बनाए हुए हैं। इसी भय से बचने के लिए लोग सुंदरवन की अदृश्य शक्तियों की पूजा करते हैं। स्थानीय लोग सैकड़ों ऐसी कहानियां सुनाते हैं कि जब भी कोई बिना श्रद्धा या सुंदरवन के नियमों की अवहेलना करते हुए अंदर गया तो वह या तो भटक गया है या जंगली जानवरों का शिकार हो गया। बाघों की मौजूदगी के अलावा सुंदरवन में जहरीले सांप भी निवास करते हैं। बोनबिबी-जहूरनामा नाम का एक लोककाव्य भी है, जिसमें मनुष्य और जंगल के बीच संघर्ष और संतुलन की काव्य कथा है। इस कथा और इस जैसी अनेक कथाओं का सार ही है कि सुंदरवन केवल भौतिक वन नहीं है, यह एक जीवित चेतना का रहस्यगान है।



शिल्प कला का अद्भुत चमत्कार लेपाक्षी नंदी (वीरभद्र मंदिर), अनंतपुर

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में स्थित ऐतिहासिक लेपाक्षी मंदिर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर यह अत्यंत सुंदर और विशाल नंदी प्रतिमा स्थित है। ग्रेनाइट की एक ही चट्टान से बनी यह प्रतिमा 15 फीट ऊंची और 27 फीट लंबी है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसके गले में उकेरी गई बारीक घंटियां, मालाएं और आभूषण हैं, जो विजयनगर साम्राज्य की उत्कृष्ट शिल्पकला को दर्शाते हैं। माना जाता है कि रामायण काल में जब रावण, माता सीता का हरण कर ले जा रहा था, तब जटायु से उसका युद्ध इसी स्थान पर हुआ था। यहां सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक दर्शन किए जा सकते हैं। *

रेत और चूने से बने भव्य नंदी देव रामनाथस्वामी मंदिर, रामेश्वरम

भारत के चार पवित्र धामों में से एक, रामेश्वरम (तमिलनाडु) के मुख्य गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर एक अत्यंत विशाल नंदी महाराज की प्रतिमा विराजमान है। यह नंदी प्रतिमा साधारण पत्थर से नहीं, बल्कि चूने और रेत के विशेष मिश्रण से बनाई गई है। यह प्रतिमा करीब 17.5 फीट ऊंची और 22 फीट लंबी है। मान्यता है कि यहां नंदी देव के दर्शन से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। मंदिर के विशाल और विश्व प्रसिद्ध गलियारे के मुहाने पर बैठे नंदी महाराज की छवि बेहद अलौकिक और शांत प्रतीत होती है। यहां दर्शन का समय सुबह 5:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 3:00 बजे से रात 9:00 बजे तक है। *



लिय सुंदरवन एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह है। हर साल आने वाले भीषण तूफानों और चक्रवातों से पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के हजारों लोगों की जान बचाता है तथा करोड़ों-अरबों के आर्थिक नुकसान को भी रोकता है। यहां के मैंग्रोव वन वातावरण से भारी मात्रा में कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन की गति धीमी हो जाती है। यह वन जैवविविधता का भी केंद्र है। यहां रॉयल बंगाल टाइगर, खारे पानी के मगरमच्छ, दुर्लभ पक्षी, डॉल्फिन और सैकड़ों अन्य जीव प्रजातियां पाई जाती हैं। गंगा-ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियां मिलकर यहां एक विशाल डेल्टा बनाती हैं, जिससे यह क्षेत्र जलप्रवाह, मिट्टी और समुद्री पारिस्थितिकी को संतुलित करता है।

संरक्षण है जरूरी: समुद्र का बढ़ता जलस्तर, तटीय कटाव, चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता और मानव अतिक्रमण के कारण सुंदरवन अब कमजोर हो रहा है। इस कमजोरी का असर केवल

इसके अलावा मुझे डायेक्टर अहमद खान पर विश्वास था कि वह कलाकारों की मेहनत को बर्बाद नहीं होने देंगे। काफी हद तक मेरी सोच सही रही और फिल्म ने सफलता हासिल की। लोगों को फिल्म में मेरा काम भी पसंद आया।

‘वेलकम टू द जंगल’ में आपने पहली बार कॉमेडी की। कॉमेडी करना, वो भी दिग्गज कलाकारों के साथ किना आसान या मुश्किल रहा?

अपने अब तक के करियर में पहली बार इस फिल्म में कॉमेडी करना मेरे लिए सबसे मुश्किल रहा। मैंने अक्षय सर, जानी लीवर सर, अरशद वारसी सर के साथ एक्टिंग करते वक्त कॉमेडी सीखी। इन सभी की कॉमेडी के दौरान टाईमिंग बहुत अच्छी है। बस मैं वहीं देख-देख कर कॉमेडी करने की कोशिश कर रही थी। इसके लिए मैं इन सभी को धन्यवाद देना चाहूंगी कि उनकी वजह से मैं कॉमेडी कर पाई।

अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी जैसे सीनियर एक्टरों के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

सेट पर पिकनिक जैसा माहौल रहता था, कोई भी अपने आप को सीनियर दिखाने की कोशिश नहीं करता था। सुनील शेट्टी बहुत ही सीधे ईंसान हैं। दूसरी तरफ अक्षय कुमार उतने ही मस्तीखोर हैं। वह सबके साथ ना सिर्फ मस्ती करते रहते थे, बल्कि कोई ना कोई उनके प्रैंक का शिकार भी होता रहता था। ‘वेलकम टू द जंगल’ की शूटिंग जानी लीवर, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, फरीदा जलाल, रवीना टंडन जैसे बेहतरीन कलाकार थे, उनके साथ काम करने का मौका मिल रहा था, यही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

अगर मन साफ और नीयत ईमानदार हो तो प्रतिद्वंद्वी या विरोधी को भी दोस्त बनने में देर नहीं लगती। दुनिया की कुछ प्रसिद्ध हस्तियों की अपने विरोधी से हुई दोस्ती इस बात की मिसाल पेश करती है। इनके बारे में जानना बहुत दिलचस्प है।

जिनसे थे कभी मतभेद उनसे भी हो गई दोस्ती

मिसाल
अंजू जैन

वक्त की खूबी यह है कि वह कई बार रिश्तों की परिभाषा बदल देता है। इतिहास गवाह है कि कभी एक-दूसरे के कट्टर विरोधी रहे कई दिग्गज बाद में ऐसी दोस्ती के प्रतीक बने, जिसने दुनिया को क्षमा, सम्मान और इंसानियत का नया संदेश दिया। मित्रता दिवस के मौके पर दुनिया की कुछ ऐसे उदाहरण याद करना दिलचस्प होगा जब किसी समय तक परस्पर विरोधी रहे, गहरे दोस्त बन गए।

महात्मा गांधी-जनरल जॉन स्मट्स: महात्मा गांधी और दक्षिण अफ्रीका के जनरल जॉन क्रिश्चियन स्मट्स के बीच का रिश्ता राजनीतिक विरोध और गहरी व्यक्तिगत मित्रता का एक अनूठा उदाहरण है। दक्षिण अफ्रीका में दोनों एक-दूसरे के धुर विरोधी थे, लेकिन बाद में दोनों के मन में एक-दूसरे के प्रति गहरा सम्मान पैदा हो गया। 1906-1914 के दौरान दक्षिण अफ्रीका में

स्टीव जॉब्स-बिल गेट्स: स्टीव जॉब्स (एप्पल के फाउंडर) और बिल गेट्स (माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर) के बीच का रिश्ता प्रतिस्पर्धा, कड़वाहट और अंततः गहरी दोस्ती का एक बेहतरीन मिश्रण था। 1980 और 1990 के दशक में उनकी व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता इतनी गहरी थी कि स्टीव जॉब्स, माइक्रोसॉफ्ट पर अकसर विचार चुराने के आरोप लगाते थे, जबकि बिल गेट्स एप्पल के उत्पादों को नापसंद करते थे। 1997 में जब एप्पल दिवालिया होने की कगार पर था,

नेल्सन मंडेला के साथ क्रिस्टो ब्रैंड

ट्रांसवाल सरकार द्वारा लाए गए ‘एशियाई पंजीकरण अधिनियम’ के तहत भारतीयों को फिंगरप्रिंट देने और पंजीयन प्रमाण-पत्र साथ रखने के लिए मजबूर किया गया। इस दमनकारी नीति के खिलाफ गांधीजी ने वहां पहला अहिंसक सत्याग्रह शुरू किया। उस समय जनरल स्मट्स ट्रांसवाल के औपनिवेशिक सचिव थे। स्मट्स ने गांधीजी को कई बार जेल भेजा। 1908 में दोनों के बीच एक समझौता हुआ था, लेकिन स्मट्स अपनी बात से मुकर गए। इससे गांधीजी को बहुत निराशा हुई। वर्षों के संघर्ष, जेल जाने और भारतीयों के भारी विरोध के बाद, अंततः जनरल स्मट्स को झुकना पड़ा। 1914 में दोनों के बीच ऐतिहासिक ‘गांधी-स्मट्स समझौता’ हुआ। संघर्ष के बावजूद, दोनों ने एक-दूसरे के सिद्धांतों और व्यक्तित्व का बहुत सम्मान किया।

नेल्सन मंडेला-क्रिस्टो ब्रैंड: नेल्सन मंडेला और क्रिस्टो ब्रैंड की कहानी रंगभेद के खिलाफ संघर्ष और मानवता की जीत का एक बेहतरीन उदाहरण है। रॉबेन आइलैंड की जेल में, जहां क्रिस्टो जेलर थे, वहीं विपरीत परिस्थितियों में भी दोनों के बीच एक गहरी और अटूट दोस्ती पनपी। क्रिस्टो ब्रैंड एक युवा श्वेत

तब स्टीव जॉब्स ने वापस कंपनी की कमान संभाली। उस मुश्किल समय में बिल गेट्स की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने एप्पल में 150 मिलियन डॉलर का निवेश करके कंपनी को बंद होने से बचाया था। इस कदम ने दोनों के रिश्ते की दिशा बदल दी। इसके बाद दोनों एक-दूसरे के काम की तारीफ करने लगे। यह दोस्ती स्टीव जॉब्स के निधन तक कायम रही। *

स्थानीय लोगों तक ही सीमित नहीं है बल्कि समूचे पूर्वी भारत की जलवायु और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

सुंदरवन हमें एक अनूठा संदेश देता है कि आस्था और पारिस्थितिकी एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि सहयोगी हैं। यहां प्रचलित लोककथाएं केवल कल्पना नहीं हैं बल्कि पर्यावरण संरक्षण के अपनी तरह के सांस्कृतिक उपक्रम हैं। जब मनुष्य, प्रकृति को देवता मानकर पूजा करता है, तो यह महज अंधविश्वास नहीं होता। इससे वह प्रकृति की महत्ता को समझता है तथा उसे नष्ट होने से बचाता है। सुंदरवन को बचाना केवल हमारी धार्मिक और आध्यात्मिक आस्थाओं को बचाना भर नहीं है बल्कि प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण भी है। इसलिए सुंदरवन को बचाए रखने का संकल्प सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के साथ-साथ जीवन की समृद्धि को भी बचाए रखने का भी संकल्प है। *

आपकी एक और फिल्म ‘आवारापन-2’ 14 अगस्त को रिलीज हो रही है। इस फिल्म को लेकर आप कितनी एक्साइटेड हैं?

मैं ‘आवारापन-2’ को लेकर सुपर एक्साइटेट हूं। इस फिल्म में मैं अलग अवतार में नजर आने वाली हूं। ज्यादातर फिल्मों में मैंने ग्लैमरस रोल किए हैं। लेकिन ‘आवारापन-2’ में मेरा रोल अलग तरह का है, जैसा पहले नहीं निभाया। ‘आवारापन-2’ में आपको ऐसा क्या खास लगा, जो आपने इस फिल्म को करना एक्सेप्ट किया?

इस फिल्म में मेरा किदार सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि फिल्म में कई सींस इमोशनल और हार्ट-टचिंग भी हैं। फिल्म की कहानी दिल को छूने वाली है, लिहाजा जब मैंने फिल्म की स्क्रिप्ट सुनी तो मैंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी।

‘आवारापन-2’ में इमरान हाशमी के साथ आपकी रोमांटिक जोड़ी है। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

इमरान हाशमी रोमांटिक रोल के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में हमारी जोड़ी नए अंदाज में नजर आएगी। फिल्म में मुझे लीजेंड शबाना आज़मी की के साथ भी काम करने का मौका मिला, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।

हिंदी फिल्मों के अलावा आप एक हॉलीवुड फिल्म भी कर रही हैं?

हां, मैं हॉलीवुड फिल्म ‘शाली गाडर्स सागा: द पोर्टल ऑफ फोर्स’ से इंटरनेशनल डेब्यू कर रही हूं। यह एक सुपर नेचुरल एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन ऑस्कर विजेता केविन स्पेसी कर रहे हैं। *



महात्मा गांधी और जनरल जॉन स्मट्स अफ्रीकी थे। उन्हें रॉबेन आइलैंड की जेल में तैनात किया गया। क्रिस्टो को शुरू में मंडेला के बारे में बताया गया था कि वह एक खतरनाक आतंकवादी हैं। लेकिन जब क्रिस्टो पहली बार मंडेला से मिले, तो मंडेला के शालीन, विनम्र और गरिमापूर्ण व्यवहार ने उन्हें चौंका दिया। एक बातचीत के दौरान जब क्रिस्टो ने पूछा कि क्या वे श्वेत लोगों से नफरत करते हैं, तो मंडेला ने जवाब दिया कि वह रंगभेद की दमनकारी व्यवस्था से नफरत करते हैं, श्वेत लोगों से नहीं। मंडेला की इस सोच और मानवता ने क्रिस्टो के विचारों को पूरी तरह बदल दिया। मंडेला की रिहाई के बाद भी दोनों की यह दोस्ती ताउम्र कायम रही।

स्टीव जॉब्स-बिल गेट्स: स्टीव जॉब्स (एप्पल के फाउंडर) और बिल गेट्स (माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर) के बीच का रिश्ता प्रतिस्पर्धा, कड़वाहट और अंततः गहरी दोस्ती का एक बेहतरीन मिश्रण था। 1980 और 1990 के दशक में उनकी व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता इतनी गहरी थी कि स्टीव जॉब्स, माइक्रोसॉफ्ट पर अकसर विचार चुराने के आरोप लगाते थे, जबकि बिल गेट्स एप्पल के उत्पादों को नापसंद करते थे। 1997 में जब एप्पल दिवालिया होने की कगार पर था,



तब स्टीव जॉब्स ने वापस कंपनी की कमान संभाली। उस मुश्किल समय में बिल गेट्स की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने एप्पल में 150 मिलियन डॉलर का निवेश करके कंपनी को बंद होने से बचाया था। इस कदम ने दोनों के रिश्ते की दिशा बदल दी। इसके बाद दोनों एक-दूसरे के काम की तारीफ करने लगे। यह दोस्ती स्टीव जॉब्स के निधन तक कायम रही। *



अपनी तरह के सांस्कृतिक उपक्रम हैं। जब मनुष्य, प्रकृति को देवता मानकर पूजा करता है, तो यह महज अंधविश्वास नहीं होता। इससे वह प्रकृति की महत्ता को समझता है तथा उसे नष्ट होने से बचाता है। सुंदरवन को बचाना केवल हमारी धार्मिक और आध्यात्मिक आस्थाओं को बचाना भर नहीं है बल्कि प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण भी है। इसलिए सुंदरवन को बचाए रखने का संकल्प सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के साथ-साथ जीवन की समृद्धि को भी बचाए रखने का भी संकल्प है। *

आपकी एक और फिल्म ‘आवारापन-2’ 14 अगस्त को रिलीज हो रही है। इस फिल्म को लेकर आप कितनी एक्साइटेड हैं?

मैं ‘आवारापन-2’ को लेकर सुपर एक्साइटेट हूं। इस फिल्म में मैं अलग अवतार में नजर आने वाली हूं। ज्यादातर फिल्मों में मैंने ग्लैमरस रोल किए हैं। लेकिन ‘आवारापन-2’ में मेरा रोल अलग तरह का है, जैसा पहले नहीं निभाया। ‘आवारापन-2’ में आपको ऐसा क्या खास लगा, जो आपने इस फिल्म को करना एक्सेप्ट किया?

इस फिल्म में मेरा किदार सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि फिल्म में कई सींस इमोशनल और हार्ट-टचिंग भी हैं। फिल्म की कहानी दिल को छूने वाली है, लिहाजा जब मैंने फिल्म की स्क्रिप्ट सुनी तो मैंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी।

‘आवारापन-2’ में इमरान हाशमी के साथ आपकी रोमांटिक जोड़ी है। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

इमरान हाशमी रोमांटिक रोल के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में हमारी जोड़ी नए अंदाज में नजर आएगी। फिल्म में मुझे लीजेंड शबाना आज़मी की के साथ भी काम करने का मौका मिला, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।

हिंदी फिल्मों के अलावा आप एक हॉलीवुड फिल्म भी कर रही हैं?

हां, मैं हॉलीवुड फिल्म ‘शाली गाडर्स सागा: द पोर्टल ऑफ फोर्स’ से इंटरनेशनल डेब्यू कर रही हूं। यह एक सुपर नेचुरल एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन ऑस्कर विजेता केविन स्पेसी कर रहे हैं। *